प्रदेश सरकार के बजट पर मिली जुली प्रतिक्रियाएं

भाजपा की नजर मैं विकास का बजट तो कांग्रेस ने बताया जुमले का पुलिंदा

हरिभूमि जबलपुर। मध्य प्रदेश सरकार का बजट 2026-27 आ चुका है. मध्य प्रदेश विधानसभा में मोहन यादव सरकार की ओर से बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश किया गया। सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने लगातार मोहन कार्यकाल का तीसरा बजट पेश किया। यह अब तक का सबसे बड़ा बजट है। सरकार की ओर से काई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। टैक्स की सभी प्रक्रिया को पहले जैसा ही रखा गया है। फिलहाल यही इस बजट की सबसे बड़ी राहत दिखाई दे रही है. बजट आने के बाद से बजट पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरु हो गया. जहां एक तरफ भाजपा ने इसे एतिहासिक बताया तो कांग्रेस की नजर में यह बजट सिर्फ कागजी जुमले बाजी का पुलिंदा है. वहीं व्यापारिक संगठनों की प्रतिक्रिया मिली जुली रही।

लोक कल्याण के लिये सरकार संकल्पित : सिंह

पश्चिम विधानसभा से विधायक एवं प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना के साथ मध्य प्रदेश के कोने कोने को जोड़ने का संकल्प साकार हो रहा है। उन्होंने कहा बजट में हर वर्ग के लिये प्रावधान और हर वर्ग के लिये राहत रखी गई है। यह एक ऐतिहासिक बजट है. मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य में सड़कों का जाल बिछाकर आमजन के जीवन में समृध्दि लाने और उनकी यात्राओं सुगम सुरक्षित करने के लिये हम सभी संकल्पित है।

समग्र विकास और जनकल्याण का दृष्टिपत्र : रत्नेश सोनकर

भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रस्तुत प्रदेश बजट समग्र विकास और सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का दृष्टिपत्र है। श्री सोनकर ने बताया कि पूंजीगत व्यय बढ़ाकर मध्यप्रदेश सरकार ने सर्वांगीण विकास और जनकल्याण को नई ऊँचाई देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रदेश विकास और सर्वहारा कल्याण के लिए समर्पित है बजट: ऊर्जा मंत्री

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि वर्ष 2026-27 का बजट प्रदेश विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है। ऊर्जा विभाग के लिए 33,606 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इसमें अटल गृह ज्योति योजना, अटल कृषि ज्योति योजना, आरडीएसएस योजना, ट्रांसमिशन-सिस्टम सुदृढ़ीकरण और अनुसूचित जाति/जनजाति पंपों के लिए सब्सिडी शामिल है, जिससे बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण सेवा मिलेगी।

पूरे मध्य प्रदेश की उपेक्षा : घनघोरिया

जबलपुर पूर्व से कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने कहा ये बजट नौजवान, किसान, मजदूर, छात्र, दलित, पिछड़े, आदिवासी अल्पसंख्यक व पूरे मध्य प्रदेश की उपेक्षा वाला बजट है. उन्होंने कहा प्रदेश सरकार ने बजट प्रस्तुत करने की सिर्फ खाना पूर्ति की है. विकास, औद्योगिकीकरण, प्रदेश पर बढ़ता कर्ज और शिक्षा के लिये नाम मात्र के भी प्रावधान बजट में नहीं किये गये हैं।

समग्र विकास वाला बजट: अभिलाष पांडे

प्रदेश का बजट मध्य प्रदेश के जन नायक मुख्यमंत्री का विजन है. जिस तरह से विकास के माडल पर भारतीय जनता पार्टी काम कर रही है, समग्र विकास इस बजट के अंदर है. इसमें गरीब, युवा अन्नदाता नारीशक्ति के उत्थान की बात की है। कृषि अनुंसधान के साथ साथ रोजगार के बड़े प्रबंध है. यह बजट गरीब किसान युवा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

प्रदेश का सर्वहितकारी बजट : सांसद

जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने मध्यप्रदेश सरकार के बजट को हर क्षेत्र में सौगात देने वाला और मध्यप्रदेश को विकास की राह पर द्रुत गति से बढ़ाने वाला बजट निरूपित किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश का संकल्प इस बजट के माध्यम से और सशक्त होगा।

सर्वहारा विकास का बजट : अशोक रोहाणी

केंट के भाजपा विधायक अशोक रोहाणी ने कहा है कि मप्र के मोहन सरकार द्वारा अब तक का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत किया गया है जिसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। युवा, गरीब, किसान, और महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए है।

जनविश्वास का बजट: साहू

पूर्व महापौर प्रभात साहू ने कहा कि यह बजट विकास और जनकल्याण का संतुलित एवं दूरदर्शी दस्तावेज है, जिससे जबलपुर सहित समूचे महाकौशल क्षेत्र को नई ऊर्जा और गति प्राप्त होगी। अधोसंरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर विकास, सड़क एवं पेयजल योजनाओं के लिए बढ़ाए गए प्रावधान शहर के नियोजित विस्तार और मूलभूत सुविधाओं की मजबूती सुनिश्चित करेंगे, वहीं औद्योगिक निवेश और रोजगारोन्मुख पहलों से स्थानीय युवाओं के लिए व्यापक अवसर सृजित होंगे।

किसानों के हक में 3 प्रतिशत हिस्सा आया : अग्रवाल

भारत कृषक समाज के अध्यक्ष इंजी के के अग्रवाल, अध्यक्ष ने कहा मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 26 - 27 के घोषित बजट में कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्र के लिए आबंटन में विगत वर्ष की तुलना में 2.8 गुने की बृद्धि तथा प्रदेश के एक लाख किसानों को सोलर पम्प देने की योजना, आदि किसानों के लिए सरकार द्वारा इस वर्ष घोषित कृषक कल्याण वर्ष में बेहद महत्वपूर्ण है। आवश्यकता है इसके भ्रस्टाचार रहित सदुपयोग व योजनाओ को गंभीरता से मैंदान में उतारने की। उम्मीद है विभागो द्वारा हमेशा जो बजट की कमी का जो रोना रोया जाता है, उसमें कमी आएगी।

बजट सामान्य : जबलपुर चेम्बर

जबलपुर चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम दुबे ने कहा कि पिछले बजट में प्रस्तावित इन्वेस्टमेंट मीट के तहत 26 लाख करोड़ रुपए का निवेष और 17 लाख युवाओं को रोजगार आज तक नदारद है। चेम्बर चेयरमेन कमल ग्रोवर ने बताया कि पर्यटन क्षेत्र में प्रस्तावित फंड षहर को और होटल इंडस्ट्री को फायदा पहुंचायेगा। श्री अजय अग्रवाल ने कहा कि षिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृति के प्रावधान किए गए लेकिन शिक्षकों की नियुक्ति का कोई रोड मेप नहीं होना मात्र घोषणा ही है।

बजट ज्ञायानी थीम पर आधारित : कैट

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), जबलपुर के संभागीय अध्यक्ष दीपक सेठी ने कहा मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट का स्वागत करते हुए इसे समावेशी विकास, आर्थिक सशक्तिकरण एवं व्यापार-अनुकूल वातावरण को प्रोत्साहित करने वाला बजट बताया है। ज्ञायानी थीम—गरीब कल्याण, युवा शक्ति, अन्नदाता, नारी शक्ति तथा इंफ्रास्ट्रक्चर एवं इंडस्ट्री—पर आधारित यह बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर एवं विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे ले जाने वाला है।

नीली क्रांति को बढ़ावा देगा बजट: सिंन्हा

बांध विस्थापित संघ के राज कुमार सिन्हा बरगी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि नीली क्रांति को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मत्स्य उत्पादन क्षेत्र में 412 करोड़ रुपए के निवेश का प्रावधान किया है। यह राशि मत्स्य पालन गतिविधियों (जैसे तालाब, तालाब उन्नयन, उत्पादन समर्थन, उपकरण सहायता) के लिए उपयोगी होगी। इससे मत्स्य पालकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

अतिक्रमण मुक्त जबलपुर हेतु अभियान जारी

जबलपुर। नगर प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया। यह कार्रवाई अपर आयुक्त श्री अरविंद शाह के मार्गदर्शन में और अतिक्रमण प्रभारी श्री मनीष कुमार तड़से के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यवाही के दौरान बहोराबाग़ मेन रोड से रजा चौक तक, सर सूपाताल तालाब के चारों ओर, रामपुर चौक, पानी की टंकी के पास तथा छोटी लाइन फाटक से दशमेश द्वार तक अतिक्रमण हटाया गया। साथ ही अनधिकृत अतिक्रमण न करने की चेतावनी भी दी गई।

माननीय आयुक्त के निर्देशानुसार रात्रिकालीन अभियान भी जारी रखा गया, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रहे और नागरिकों को सुविधा मिले। मौके पर सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अखिलेश सिंह भदौरिया, श्रीमती एकता रघुवंशी, सहायक परिवहन एवं यातायात प्रबंधन अधिकारी दीपेंद्र सिंह रावत, तथा दल प्रभारी लक्षण कोरी, नदीम खान, जोसफ प्रवीण, अंकित पारस, वीरेंद्र मिश्रा, कुलदीप त्रिपाठी, दुर्गा राव, अभिषेक समुद्रे, ब्रज किशोर तिवारी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्रवाई के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखी गई और अतिक्रमणकारियों को भविष्य में अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

पुलिसकर्मी से पूर्व महापौर प्रभात साहू की कथित झड़प के मामले की एसटीएफ ने जांच शुरू की

जबलपुर। बल्देवबाग चौराहे पर हेलमेट चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मी से पूर्व महापौर प्रभात साहू की हुई कथित झड़प के मामले की एसटीएफ ने जांच शुरू कर दी है। एसटीएफ की ओर से डीएसपी संतोष कुमार तिवारी ने यह जानकारी कोर्ट में पेश की। उन्होंने जांच पूरी करने कुछ मोहलत मांगी। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। मामले पर अगली सुनवाई 24 मार्च को होगी। गौरतलब है कि जबलपुर के अधिवक्ता मोहित वर्मा ने याचिका दायर कर कहा है कि 18 सितंबर 2025 को बल्देवबाग चौराहे पर पुलिस हेलमेट चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना हेलमेट लगाए वहां से पूर्व महापौर प्रभात साहू निकले जिन्हें पुलिस वालों ने रोका। इसी बात पर पूर्व महापौर की पुलिस वालों से झड़प हुई। इस दौरान एक भाजपा विधायक भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे, जिससे वहां काफी हंगामा भी मचा था। याचिका में आरोप है कि चेकिंग करने वाले आरक्षक कृष्ण कुमार की न सिर्फ पिटाई हुई, बल्कि उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई। विवाद के तूल पकड़ने के बाद भी पूर्व महापौर के खिलाफ कोई कार्रवाई न होने पर यह याचिका दायर की गई। पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी थी।

एसटीएफ डीएसपी संतोष कुमार तिवारी ने हाईकोर्ट में दी जानकारी

बकायादारों के विरुद्ध जेडीए सीईओ की सख्त कार्रवाई

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के सीईओ दीपक वैद्य ने बकायादार आवंटितियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए तीन भूखण्डों के आवंटन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए हैं तथा जमा अमानत राशि राजसात कर ली गई है।संपदाधिकारी रीति सोनवे ने बताया कि समीक्षा बैठक में यह पाया गया कि प्राधिकरण की योजना क्रमांक-11 द्वितीय चरण के अंतर्गत भूखण्ड क्रमांक 56 प्रतिपाल सिंह सौधी को, योजना क्रमांक-5/14 के अंतर्गत भूखण्ड क्रमांक जे-13 राजेश गोस्वामी को तथा योजना क्रमांक-5/14 के अंतर्गत भूखण्ड क्रमांक जे-14 जय राजावत (डायरेक्टर जय रियल स्टेट) को उच्चतम ऑफरकर्ता होने के कारण आवंटित किए गए थे। हालांकि, अनेक नोटिस जारी किए जाने के बावजूद संबंधित आवंटितियों द्वारा निर्धारित राशि प्राधिकरण कोष में जमा नहीं कराई गई। इसके चलते सीईओ के निर्देश पर तीनों भूखण्डों का आवंटन निरस्त कर अमानत राशि राजसात कर ली गई।

सीईओ दीपक वैद्य ने बताया कि कुछ मामलों में देखा गया है कि भूखण्ड आवंटित कराने के बाद समय पर राशि जमा नहीं की जाती और इस बीच अधिक दाम पर अन्य व्यक्तियों से सौदा कर लिया जाता है, जिससे वास्तविक हितग्राहियों को नुकसान होता है। जेडीए ने स्पष्ट किया है कि निरस्त किए गए भूखण्डों को पुनः ऑफर के माध्यम से विक्रय किया जाएगा। साथ ही आवंटितियों से अपील की गई है कि वे क्रय की गई संपत्ति की राशि समय पर जमा करें, अन्यथा भविष्य में भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रसूख के आगे नियम कायदे कानून सब दरकिनार

कृषि भूमि पर कैसे तन गया उत्तम स्वामी आश्रम

जबलपुर। हाईप्रोफाईल कथा वाचक उत्तम स्वामी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं. जबलपुर के भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के हीरापुर बंधागांव में उत्तम स्वामी का आलीशान आश्रम भी अब विवादों के घेरे में आ गया है. रेप के आरोपों से घिरे उत्तम स्वामी की जबलपुर में चल रही भागवत कथा के दौरान उस वक्त हड़कंप की स्थित बनी थी जब स्वामी जी अचानक गायब हो गये थे और शिष्यों को मोर्चा संभालना पड़ा था. अब इस मामले में नया मोड़ आ गया है, सरकारी रिकार्ड के अनुसार जिस जमीन पर उत्तम स्वामी का आलीशान तना है वह जमीन कृषि भूमि है और उड़द का खेत है. इस पूरे मामले में राजस्व अमले पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं. अचानक 2025 में यह भूमी उत्तम स्वामी के नाम पर कैसे हो गई. राजस्व नियमों के अनुसार कृषि भूमी पर स्थाई निर्माण के पहले विधिवत डायवर्शन कराना जरूरी है. यदि यह प्रक्रिया पूरी नहीं है तो निर्माण अधूरा माना जाता है. ऐसे में एक सवाल यह भी है कि क्या संबंधित विभागों को आश्रम निर्माण की जानकारी नहीं थी या जानकारी होते हुये भी आंखें बंद रखीं गईं।

खसरे ने खोलीं परतें

दरअसल गत मंगलवार 17 फरवरी को लोक सेवा केंद्र से जारी सत्यापित खसरा रिपोर्ट ने इस अवैध निर्माण की पोल खोल कर रख दी । सरकारी खसरे में अभी भी यह जमीन उड़द के खेत के रूप में कृषी भूमि दर्ज है। मामला सामने आने के बाद अब देखने वाली बात यह होगी कि जिला प्रशासन इसमें क्या एक्शन लेता है. कथा वाचक उत्तम स्वामी के कई प्रभावशाली नेताओं से नजदीकी संबंध पहले ही सामने आ चुके हैं. अब इस हाईप्रोफाईल मामले में जांच किस तरह होती है, यह भी आगे सामने आएगा। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि खसरा नंबर 46/1 के कॉलम नंबर 10 में आज भी इस जमीन पर 'जायद' फसल के रूप में 'उड़द' की खेती होना दर्शाया गया है। जबकि जमीनी हकीकत यह है कि यहाँ लगभग 1 एकड़ (67 हजार वर्गफीट) से अधिक के रकबे में आश्रम का विस्तार हो चुका है। दस्तावेजों के अनुसार, यह भूमि 21 अगस्त 2025 को संत शांतिनाथ द्वारा 'मां नर्मदा श्री उत्तम शांतिनाथ' के नाम हस्तांतरित की गई थी। क्षेत्रीय लोगों की मानें तो पिछले एक साल में यहां कथा वाचक का साम्राज्य खड़ा हो गया. चर्चा तो यह भी है की ग्राम पंचायत, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और राजस्व विभाग कहीं से कोई निर्माण अनुमति नहीं ली गई।

दो स्वामियों के बीच बंटी जमीन

प्रारंभिकजांच में यह भी बात सामने आई है कि इस विशाल भूखंड का मालिकाना हक दो स्वामियों के बीच बंटा हुआ है। एक हिस्सा उत्तम स्वामी के नाम है, तो उससे सटा हुआ दूसरा हिस्सा मंगलनाथ स्वामी के नाम दर्ज है। ये दोनों ही संत शांतिनाथ के शिष्य बताए जाते हैं। हाल ही में 19 से 15 फरवरी के बीच जिस भव्य भागवत कथा का आयोजन किया गया था, उसका विशाल पंडाल मंगलनाथ के हिस्से वाली भूमि पर लगाया गया था।

अब चल सकता है बुलडोजर

उत्तम स्वामी के रसूख का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अबतक तहसीलदार आरआई पटवारी किसी ने भी आश्रम निर्माण के दस्तावेज पूछने की हिम्मत नहीं जुटाई. जबकी रेप के आरोपों के बीच भूमी नियमों की अनदेखी का भी उजागर हो चुका है, तब यह संभावना बन रही है की प्रशासन अपनी साख बचाने आश्रम के अवैध निर्माण पर बुल्डोजर चला सकता है।

ट्रेनों में वारदातः दशहत में मुसाफिर, आरोपी फरार

अब चलती ट्रेन में किन्नर ने यात्री को ब्लेड मारी

जबलपुर। हाल ही में जबलपुर के भिटौनी रेल्वे स्टेशन के समीप चलती ट्रेन में अवैध वेंडर द्वारा यात्री पर चाकू से हमले की घटना के बाद अब सोमवार को मुंबई-हावड़ा मेल (12322 डाउन) में एक और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। ट्रेन के जनरल कोच में एक किन्नर ने यात्री पर ब्लेड से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। लगातार हुई इन घटनाओं से ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल खडे हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को हावड़ा मेल जब इटारसी से पिपरिया के बीच पहुंची कि इसी बीच ट्रेन के जनरल कोच में किसी बात को लेकर एक किन्नर और यात्री के बीच विवाद हो गया। कुछ ही देर में विवाद बढते किन्नर ने अपने पास रखी ब्लेड से यात्री पर हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी किन्नर पिपरिया स्टेशन आते ही ट्रेन से उतरकर भाग निकला। घायल यात्री ने ट्रेन के जबलपुर स्टेशन पहुँचने पर अपनी आपबीती सुनाई, जिसके बाद उसे तत्काल उसे चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई गई तथा प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश आरंभ कर दी गई है। लगातार हो रही इन घटनाओं से रेल यात्रियों में दहशत का माहौल है। यात्रियों का कहना है कि चलती ट्रेनों में अवैध वेंडरों और किन्नरों द्वारा किए जा रहे हमलों के कारण अब सफर करना असुरक्षित होता जा रहा है।रविवार को हुई चाकूबाजी और सोमवार को किन्नर द्वारा किए गए इस हमले ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। फिलहाल, जीआरपी ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों घटनाओं के आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हर घर नल से पानी पहुंचाने पर जोर

जल जीवन मिशन की समीक्षा

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में विकासखंडवार एकल ग्राम नल-जल योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य पूर्ण करने और प्रत्येक घर में चालू स्थिति में नल कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डेमेज कनेक्शन और लीकेज को शीघ्र दुरुस्त कराने को कहा गया। समूह जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई और पाइपलाइन बिछाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए पीडब्ल्यूडी, एमपीआरडीसी और वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पाइपलाइन कार्य के बाद

सड़कों की पूर्ववत मरम्मत भी कराई जाए। जल निगम एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लक्ष्य के अनुरूप हर घर तक नल से पानी पहुंचाने के लिए गति बढ़ाने को कहा।

पीएमश्री विद्यालयों के प्रबंधन की समीक्षा

व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में पीएमश्री विद्यालयों के प्रबंधन एवं क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। बैठक में विद्यालयों के क्रमबद्ध क्रियान्वयन और आवश्यक सुविधाओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने टिंकरिंग लैब, विद्यालयीन स्टाफ व विद्यार्थियों की आईडी, रचनात्मक शिक्षण गतिविधियां, गणित-विज्ञान सर्कल, शिक्षक शिक्षण सामग्री, खेल गतिविधियां, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, विशेषज्ञ व्याख्यान, व्यवसायिक प्रयोगशालाएं, हरित विद्यालय अवधारणा, अभिलेख संधारण, परीक्षा व्यवस्था, विज्ञान प्रयोगशाला,

पुस्तकालय, साफ-सफाई, बिजली एवं फायर सेफ्टी, पेयजल और टंकियों की सफाई जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की।उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय परिसर के आसपास मादक पदार्थों से संबंधित दुकानें न हों, फर्नीचर व किचन व्यवस्था सुदृढ़ हो, खेल मैदान उपलब्ध रहें तथा विद्यार्थियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए।

ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण, सड़क सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने संबंधित अधिकारियों के साथ जिले में चिन्हित सड़क दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) का निरीक्षण कर सुरक्षा उपायों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने पनागर के पास कुशनेर तिराहा और बम्हनौदा बाईपास का स्थल निरीक्षण किया तथा एनएचएआई के अधिकारी श्री अमृत साहू को दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए गए कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर संकेतक बोर्ड, ब्लिंकर्स, रिफ्लेक्टर्स और प्री-फेब्रिकेटेड डिवाइडर लगाए जाएं। साथ ही डिवाइडर की रंगाई-पुताई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा जहां आवश्यकता हो वहां सर्विस रोड निर्माण भी सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर एसडीएम अभिषेक सिंह सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए संबंधित एजेंसियों को शीघ्र कार्रवाई करने को कहा है।

संकल्प से समाधान अभियान शिविर आयोजित

बरेला। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत द्वितीय चरण में दिनाँक 18 फरवरी 2026 को वार्ड क्रमांक 1,2 एवं वार्ड 3 के नागरिकों हेतु सोसाइटी परिसर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मध्यप्रदेश शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए आवेदन प्राप्त किये गए। काफी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। शिविर में नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतीक दुबे,सीएमओ संजय पांडे,पार्षद दिनेश सिंह पटेल, मण्डल अध्यक्ष अर्पित जैन,परिषद के कर्मचारी,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सेंट्रल ग्रिड से मप्र के हिस्से की बिजली मिलना एवं सौर ऊर्जा निकासी सुलभ

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने मंदसौर 400 केवी सबस्टेशन में 400/220 के वी वोल्टेज लेवल के 500 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफॉर्मर को स्थापित कर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत कर दिया है। यह उपलब्धि प्रदेश मे बिजली आपूर्ति को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि यह प्रोजेक्ट एमपी ट्रांसको की कार्यकुशलता और उपभोक्ता हित में प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल क्षेत्र की ऊर्जा मांगों को भरोसेमंद समर्थन मिलेगा बल्कि आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश की बिजली व्यवस्था और अधिक मजबूत व विश्वसनीय बनेगी। सेंट्रल ग्रिड से मध्यप्रदेश के हिस्से का

पावर और सौर ऊर्जा उत्पादन में तेजी के साथ चंबल पंपिंग परियोजनाओं की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अधिक क्षमता वाले पावर ट्रांसफॉर्मर की आवश्यकता थी। नया 500 एमवीए पावर ट्रांसफॉर्मर इन सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा मे एक कदम है।

एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता श्री राजीव अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस परियोजना के पूरा होने से विभिन्न 220 केवी सबस्टेशनों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उच्च क्षमता वाला यह पावर ट्रांसफार्मर सोलर पावर की बड़े पैमाने पर निकासी को और सुलभ बनाएगा।साथ ही सिंचाई परियोजना के पंपिंग सब.स्टेशनों को भी इससे बिजली उपलब्ध होगी। पावरग्रिड के नीमच सबस्टेशन से अब मध्य प्रदेश को उसके हिस्से की पूरी बिजली नियमित रूप से मिलने के अलावा क्षेत्र में पावर ग्रिड द्वारा निर्माणाधीन 765 केवी सबस्टेशन से भविष्य में प्रदेश को अपने हिस्से की बिजली और अधिक सहजता से उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगा।

घरों के अंदर भर रहा भदोहा तालाब का बदूबूदार व जहरीला पानी

सिहोरा। सिहोरा के वार्ड क्रमांक 6 अद्दू मोहल्ला के निवासियों द्वारा मुख्यनगर पालिका अधिकारी सिहोरा को शिकायत पत्र सौपकर मांग की गई है कि भदोहा तालाबा का गंदा बदबूदार जहरीला पानी घरों के अंदर जा रहा है जिससे मोहल्ले के निवासियों का घर ग्रहस्थी का समान खराब हो रहा है जिससे लोगों को आर्थिक रुप से नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही पानी में बदबू होने से रहना तक दूभर हो रहा है और क्षेत्र में महामारी फैलने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। वार्डवासियों द्वारा पहले भी लिखित शिकायत की थी लेकिन नगर पालिका द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई। पूर्व में भदोहा तालाब का ओवरफ्लो का पानी ओम कालोनी के बाजू से निकलता था जिस पर लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर मनमाने तरीखे से मकान बना लिया गये है जिस कारण भदोहा तालाब का ओवरफ्लो का पानी घरों में घुस रहा है नगर पालिका द्वारा वायपास में नाले का निर्माण भी कराया गया लेकिन है आधा अधूरा है पीड़ित लोगों में बाबू सिंह खंगार, सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, मनीष पटैल, मोहित जैन,मुकेश जैन, सरजीत यादव, बेला तिवारी, प्रमोद सिंह ठाकुर, आशीष सिंह ठाकुर ने अतिशीघ्र जांच कर समस्याी का निदान करने की मांग की गई है।

भव्य रूप में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव भक्तिमय माहौल में झूमे श्रद्धालु

भागवत कथा श्रवण से होती है मोक्ष की प्राप्ति : पंडित हरिओम देव महाराज

मझौली। ग्राम पंचायत हटौली में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान बुधवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कथा स्थल को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों की सजावट और आकर्षक झांकियों से सुसज्जित किया गया था। जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आया, पूरा पंडाल "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयघोष से गूंज उठा। कथावाचक पंडित हरिओम देव जी महाराज, वृन्दावन धाम ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार मथुरा की कारागार में अवतार लेकर भगवान ने अत्याचार के अंत का संकल्प लिया। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और कई भक्तों की आंखें नम हो गईं। जन्मोत्सव के अवसर पर शंखनाद, घंटियों की ध्वनि और भजन-कीर्तन के साथ भव्य आरती संपन्न हुई। बाल गोपाल का मनमोहक श्रृंगार कर झूला झुलाया गया। श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया और भक्ति रस में झूमते नजर आए। इस अवसर पर बच्चों ने राधा-कृष्ण की सुंदर झांकी प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए तथा युवाओं ने भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। आयोजन समिति द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा का शुभारंभ 18 फरवरी से हुआ है, जिसका समापन 22 फरवरी को होगा। आगामी दिनों में हवन एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गुरुवार को गोवर्धन पूजा प्रसंग का वर्णन किया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव ने क्षेत्रवासियों के हृदय में नई ऊर्जा और श्रद्धा का संचार किया।

विभिन्न समस्याओं का निदान करने जन समस्या निवारण मंच ने सौंपा ज्ञापन

सिहोरा। नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत खितौला में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के निदान हेतु जन समस्या निवारण मंच के संयोजक लाल बहादुर पाठक ने कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। जिसमें खितौला बाजार के वार्ड क्रमांक 13 में नाले का निर्माण कर पानी निकासी की व्यवस्था करने, पुलिस चौकी की स्थापना करने,उपनगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टर के साथ जांच के लिए उपकरण लगाने,अवैध शराब की ब्रिक्री पर रोक लगाने, नृसिंह मंदिर खितौला से बीपी पेट्रोल पंप घाट सिमरिया तक बायपास बनाने,बारी बहु स्टेडियम में बैठक व्यवस्था बनाने,नवनिर्मित ओवर ब्रिज में लाइट की व्यवस्था करने,खितौला बाजार एंव बस्ती को नगरीय फीडर से जोड़ने सहित अनेक मांग शामिल थी। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बिहारी पटेल,बाबा कुरैशी,भूपलाल सोनी, राजेश चौबे पार्षद,रमेश पटेल,कृष्ण कुमार कुररिया, जितेन्द्र तिवारी,मोहन सोधिया,पवन सोनी,शेख साबिर,यूसुफ़ खान,उमाकांत चौरसिया,के के दुबे,कोमल श्रीवास,राजा पटेल, राजकुमार काछी, अशोक शुक्ला सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

पंचवटी में सड़क पर लगे बोर्ड से यातायात बाधित

मध्य प्रदेश पर्यटन निगम के बोर्ड से दुर्घटना की आशंका, नोटिस के बाद

भेड़ाघाट। पंचवटी क्षेत्र में मध्य प्रदेश पर्यटन निगम द्वारा मार्बल कैफे का बोर्ड सड़क पर गाड़े जाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार बोर्ड फुटपाथ के बाद सीधे सड़क पर स्थापित किया गया है, जिससे वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। यह क्षेत्र नौका विहार के लिए भी प्रसिद्ध है, जिसके कारण पर्यटकों का लगातार आना-जाना लगा रहता है। मेट्रो बस एवं अन्य बड़े वाहनों के टर्न लेने के दौरान जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर लगे बोर्ड के कारण हर समय हादसे का खतरा बना रहता है। नगर परिषद भेड़ाघाट द्वारा पर्यटन विभाग को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद बोर्ड नहीं हटाए गए हैं। नागरिकों का आरोप है कि केवल नोटिस देकर खानापूर्ति की जा रही है और अतिक्रमण हटाने की दिशा में

ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। उल्लेखनीय है कि नगर निगम जबलपुर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान चला रहा है, वहीं भेड़ाघाट में सड़क पर गड़े बोर्ड को हटाने में उदासीनता देखी जा रही है। पर्यटकों को हो रही असुविधा तथा क्षेत्र में बढ़ती अव्यवस्थाओं को लेकर नागरिकों ने नगरीय प्रशासन विभाग से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, ताकि यातायात सुचारु हो सके और भेड़ाघाट क्षेत्र का समुचित विकास सुनिश्चित हो।

श्री शैलेंद्र कुमार गुप्ता- गोकलपुर निवासी शुभि व परी के पिता श्री शैलेंद्र कुमार गुप्ता का निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज सुबह 10 बजे गोकलपुर मुक्तिधाम की ओर प्रस्थान करेगी।

श्रीमती पुष्पा द्विवेदी- शुक्ला नगर गढ़ा निवासी श्री पीडी द्विवेदी की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा द्विवेदी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रेमवती सिंह राणा- कोल माइंस ऑफिस रोड गुप्तेश्वर निवासी श्री राजेंद्र सिंह राणा की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमवती सिंह राणा (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमर बहादुर- बिहारी मोहल्ला मड़ई व्हीकल निवासी श्री अमर बहादुर (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृष्णकांत विश्वकर्मा- नौदरा ब्रिज के पास ओमती निवासी श्री कृष्णकांत विश्वकर्मा (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शशि गुप्ता- गोरैया प्लाट

रानीपुर मदनमहल निवासी श्री दिनेश गु प्ता की धर्मपत्नी श्रीमती शशि गुप्ता (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शैलेंद्र कुमार सोनी- हनुमानताल जैन मंदिर के पास निवासी श्री शैलेंद्र कुमार सोनी (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विवेक मिश्रा- अधरा हिल्स टेमरभीटा रोड निवासी श्री उग्रसेन मिश्रा के पुत्र श्री विवेक मिश्रा (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रेम लाल कोरी- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री प्रेम लाल कोरी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गौरा बाई चतुर्वेदी- 5/22 जेल लाइन निवासी श्री प्रसिद्ध नारायण चतुर्वेदी की धर्मपत्नी श्रीमती गौरा बाई चतुर्वेदी (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ननकू लाल ताम्रकार- तम्हेरा मोहल्ला पश्चिमी घमापुर निवासी श्री ननकू लाल ताम्रकार (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सरोज श्रीवास्तव- एकता विहार रतन नगर मदनमहल निवासी श्री मदन कुमार श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज श्रीवास्तव (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दशरथ प्रसाद चौधरी- कांचघर झंडा चौक निवासी श्री दशरथ प्रसाद चौधरी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राम बाई समन- बेलबाग पुत्री शाला के पास निवासी श्रीमती राम बाई समन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति कालम से.मी.
फिक्स साइज:- [illegible] से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- [illegible] से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज [illegible] से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज
डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत डेस्क

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

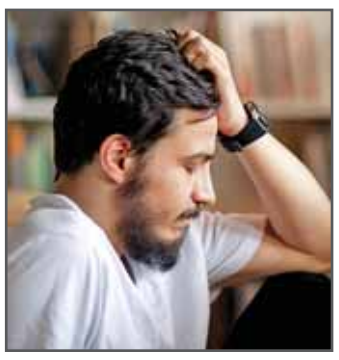

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमशुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

हेल्थ सजेशन
रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेग्युलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेग्युलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस
रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *

शुल्क जमा न होने पर छात्रा 10 वीं बोर्ड परीक्षा से वंचित

एबीवीपी का जानसन स्कूल में हल्ला बोल प्रदर्शन

जबलपुर। जबलपुर के नर्मदा रोड़ कटंगा स्थित जॉनसन हायर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को दसवीं कक्षा की एक छात्रा को फीस जमा न होने के कारण एडमिट कार्ड नहीं दिए जाने के आरोपों को लेकर छात्रा के परिजनों व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने स्कूल गेट पर प्रदर्शन किया । इस दौरान शाला प्राचार्य से मिलने की कोशिश की गई परंतु उनके स्कूल में न होने की जानकारी मिलने के बाद गेट पर ही नारेबाजी व धरना दिया गया। आरोप है कि स्कूल फीस जमा नहीं करने के चलते स्कूल प्रबंधन ने उक्त छात्रा को बोर्ड परीक्षा का एडमिट कार्ड नहीं दिया।

आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने स्कूल पहुंचकर जमकर नारेबाजी की और विरोध जताते हुए स्कूल में ताला जड़ दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि फीस के अभाव में छात्रा का भविष्य खतरे में डालना अनुचित है। बताया गया कि दसवीं कक्षा की छात्रा सानिया उइके की पारिवारिक आर्थिक स्थिति कमजोर है। उन्हेंने यह भी बताया कि छात्रा की मां घर-घर जाकर काम करती हैं, जिसके कारण वे समय पर फीस जमा नहीं कर पाईं। छात्रा को निःशुल्क ट्यूशन देने वाले शिक्षक पराग दीवान ने बताया कि छात्रा ने पूरे वर्ष अच्छी पढ़ाई की, लेकिन फीस बकाया होने के कारण उसे तिमाही, छमाही और अंततः वार्षिक परीक्षा में भी बैठने नहीं दिया गया। विद्यार्थी परिषद के जबलपुर महानगर महामंत्री आर्यन पुंज ने आरोप लगाया कि छात्रा के परिजन पूर्व में भी फीस के संबंध में प्राचार्य से मिलने पहुंचे थे लेकिन उनसे मुलाकात नहीं कराई गई।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी बताया कि प्राचार्य के शहर से बाहर होने का हवाला देकर उन्हें मिलने नहीं दिया गया और बिना प्राचार्य के ही विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने आरोपों को निराधार बताते हुए जानकारी दी कि छात्रा की लगभग 9 हजार रुपये फीस बकाया थी। स्कूल का कहना है कि प्राचार्य द्वारा छात्रों को एडमिट कार्ड वितरित किए गए थे और छात्रा को परीक्षा में बैठने के लिए कहा गया थि परंतु कई बार संपर्क करने के बाद भी छात्रा परीक्षा देने नहीं आई, जबकि अब फीस को लेकर प्रताड़ना के आरोप लगाए जा रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी के माखनशर्मा आर्यन पुंज एश्वर्य सोनकर सहित सैंकड़ों छात्रा छात्राएं मौजूद थे।

बिजली आपूर्ति और तकनीकी आधुनिकीकरण पर रहेगा फोकस

अजय गुप्ता बने पूर्व क्षेत्र कंपनी के नए प्रबंध संचालक

जबलपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा (2009 बैच) के अधिकारी अजय गुप्ता ने मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार संभालने के पश्चात श्री गुप्ता ने कहा कि कंपनी का मुख्य उद्देश्य पूर्व क्षेत्र के सभी जिलों में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए प्रशासनिक एवं तकनीकी स्तर पर आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

श्री गुप्ता ने कहा कि आरडीएसएस सहित अन्य तकनीकी उन्नयन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से विद्युत अधोसंरचना का आधुनिकीकरण किया जायेगा। **AI/ML** आधारित प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग से हर कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और समयसीमा पर रियल-टाइम नजर रखी जाएगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और ठेकेदारों व फील्ड स्टाफ की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा।**GIS**/ एसेट मैपिंग के जरिए फीडर, ट्रांसफॉर्मर और नेटवर्क की सटीक स्थिति जानकर नेटवर्क सुदृढ़ीकरण, विद्युत अवरोध अनुमान और निवारक रखरखाव (**Preventive Maintenance**) को मजबूत किया जा सकेगा। इसका सीधा लाभ वितरण हानि में कमी एवं बेहतर विद्युत सप्लाई की जा सकेगी। श्री गुप्ता ने उपभोक्ता, ठेकेदार, कर्मचारियों एवं अन्य हितधारकों के लिए पारदर्शी, जवाबदेह, फीडबैक एवं शिकायत निवारण प्रणाली को सुदृढ़ करने का आश्वासन दिया है।

केंट में पांच हजार युवाओं को कांग्रेस से जोड़ने का संकल्प

जबलपुर। युवक कांग्रेस ने आज गोकलपुर वार्ड में युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रोहित सैनी के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन किया, जिसमें युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। बैठक में केंट विधानसभा के हर बूथ में 'एक बूथ दस यूथ' में कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का सुझाव रखा गया एवं केंट विधानसभा में लगभग पांच हजार युवाओं को कांग्रेस से जोड़ने का संकल्प लिया गया। इस तारतम्य में युवक कांग्रेस जल्द एक मुहिम का आयोजन करेगी जिसमें बूथ से लेकर वार्ड स्तर तक युवाओं को कांग्रेस की रीति-नीति से जोड़ने का कार्य किया जायेगा, जिसका शुभारंभ जल्द गोलकलपुर वार्ड से किया जाएगा और आने वाले चुनाव में युवक कांग्रेस पूरे दल-बल के साथ बूथ स्तर पर कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने का कार्य करेगी। आज की इस बैठक में विवेक दीक्षित, आकाश चक्रवती, अनुराग चौधरी, बॉबी कटारे, रोहित रजक, सोनू डबरा, जावेद खान आदि उपस्थित थे।

द्वादश ज्योतिर्लिंगों की झांकियों का हुआ समापन

जबलपुर। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में बी.टी. तिराहा स्थित छोटी बजरिया गढ़ा शिव दर्शन केंद्र में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंग की भव्य एवं मनोहर झांकियों का समापन विगत दिवस श्रद्धा भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। जिसमें प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों ने ब्रम्हाकुमारी सेंटर पहुंचकर द्वादश ज्योतिर्लिंग झांकियों के दर्शन कर व महाआरती में हिस्सा लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। गढ़ा सेंटर की संचालिका ब्रम्हाकुमारी मीना व ज्योति बहन के संयोजन में आयोजित इस भव्य आयोजन में पूरे परिसर में ऊं शांति के उद्घोष के साथ सेवा एवं समर्पण का अनुपम दृश्य देखने को मिला। उपस्थित संतगणों ने अपने आशीर्वचनों में धर्म संस्कृति एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ बनाए रखने का संदेश देते हुए सभी को सेवा और सद्भाव के मार्ग पर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी। ब्रम्हाकुमारियों द्वारा आयोजित यह आयोजन धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता एवं सनातन संस्कृति के गौरव का प्रतीक बना। इस 14 दिवसीय कार्यक्रम के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि महंत योगी राजेश्वरानंद महाराज एवं आचार्य पंडित शिव गणेश गौतम उपस्थित रहे। श्री परशुराम सर्व ब्राम्हण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर अरुण मिश्रा, संभागीय अध्यक्ष पंडित यदुवंश मिश्रा के साथ शशि चड्ढा, ललिता देवी सिंह, सरोज विश्वकर्मा, सुनीता मिश्रा, एडवोकेट रामकिशोर शिवहरे, विनोद चौबे, सरदार बलराज सिंह, प्रकाश चौबे, जगदेव पटेल, संतोष चक्रवर्ती, वीरेंद्र भाई, विक्रांत तरुण, देवसिंह उइके उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशल निर्देशन शिव शक्ति गढ़ा सेवा केंद्र की संचालिका मीना व ज्योति बहन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन बी.के. वीरेंद्र भाई ने तथा आभार प्रदर्शन ज्योति बहन ने किया। इस दौरान भारी संख्या में ब्रम्हा कुमार भाई, बहन एवं क्षेत्रीय जनमानस की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

स्कूलों में निःशुल्क फर्स्ट ऐड किट का वितरण

विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर आयोजित कार्यक्रम

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से निःशुल्क फर्स्ट ऐड किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्कूल परिसर में किसी भी आकस्मिक चोट, दुर्घटना या स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में तुरंत प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर डॉ. अजय वाधवानी, एडवोकेट भावना निगम, एडवोकेट आशीष तिवारी, डॉ. अभिषेक जैन सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यालय

प्रबंधन को फर्स्ट ऐड किट सौंपते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और प्राथमिक उपचार की उपलब्धता से कई गंभीर स्थितियों को समय रहते नियंत्रित किया जा सकता है।आपात स्थिति में त्वरित उपचारः चोट, कट, जलन, नाक से खून आना या हल्की बेहोशी में तुरंत सहायता। गंभीरता कम करने में सहायकः प्रारंभिक उपचार से संक्रमण या स्थिति बिगड़ने की संभावना कम। सुरक्षा का विश्वासः विद्यार्थियों और अभिभावकों में भरोसा कि विद्यालय में स्वास्थ्य संबंधी मूलभूत सुविधा उपलब्ध है। शिक्षकों के लिए उपयोगीः प्रशिक्षित शिक्षक तुरंत प्राथमिक चिकित्सा देकर बच्चे को सुरक्षित रख सकते हैं। स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धिः बच्चों को प्राथमिक उपचार की बुनियादी जानकारी भी दी जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में संगठन के सदस्यों ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी अभियानों को जारी रखने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस सराहनीय पहल के लिए संगठन का आभार व्यक्त किया।

चंडालभाटा ट्रांसपोर्ट नगर में लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया में तेजी

निगमायुक्त ने व्यापारियों से की सार्थक चर्चा, संपदा विभाग को दिए निर्देश

जबलपुर। चंडालभाटा ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारियों को जल्द ही लीज नवीनीकरण में राहत मिलने वाली है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने व्यापारियों से चर्चा कर प्रकरणों का सूक्ष्म परीक्षण कर शीघ्र नवीनीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए संपदा विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक में व्यापारियों ने लीज नवीनीकरण में आ रही तकनीकी समस्याओं से निगमायुक्त को अवगत कराया। निगमायुक्त ने सुनवाई कर त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान अपर आयुक्त वी.एन. बाजपेयी, संपदा अधिकारी शिवांगी महाजन एवं ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारीगण उपस्थित रहे। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रक्रिया के दौरान व्यापारियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो।

हज यात्रियों के लिए टीकाकरण व प्रशिक्षण कैंप लगाया

जबलपुर। आज गोहलपुर स्थित ईडब्ल्यूएस स्कूल में जिला हज कमेटी द्वारा हज यात्रियों के लिए टीकाकरण एवं प्रशिक्षण कैंप लगाया गया जिसमें जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा टीकाकरण किया गया, इसके उपरांत हज यात्रियों को हाजी मजीद ने प्रशिक्षित किया एवं जिला हज कमेटी अध्यक्ष मकबूल अंसारी, हाजी मुजफ्फर हुसैन, जमील अंसारी, साबिर अंसारी, अयाज हाजी, मुबीन हाजी ने आजमीने हाजियों का फूल माला से स्वागत किया। हज कमेटी के अध्यक्ष मकबूल अंसारी ने समस्त चिकित्सकों एवं स्टाफ को धन्यवाद प्रेषित किया और देश और कौम की तरक्की के लिए दुआएं मांगी।

आदर्श आदिवासी ग्राम समिति ने खनिज अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

मानेगांव के ग्रामीणों ने खदान संचालन में अनियमितताओं और अधूरे वादों पर जताई नाराजगी

जबलपुर। आदर्श आदिवासी ग्राम समिति मानेगांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने सोमवार को जबलपुर पहुंचकर जिला कलेक्टर, खनिज अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी एवं नल-जल विभाग को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने खदान संचालन के दौरान कंसल्टेंसी परियोजना परामर्श अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासनों के पालन नहीं होने का आरोप लगाया। समिति के अध्यक्ष बी.एल. मरकाम, उपाध्यक्ष विनोद कॉल, सचिव किशन

मरावी एवं दसवीं सलाम ने बताया कि ग्राम मानेगांव, पंचायत मुंगेली (बरगी) में खदान प्रारंभ होने से पूर्व ग्रामीणों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा किया गया था। इनमें खदान क्षेत्र की तार फेंसिंग, स्कूल एवं आंगनबाड़ी परिसर के आसपास वृक्षारोपण, परिवहन मार्ग पर नियमित पानी का छिड़काव, सड़क मरम्मत एवं नाली सफाई, वायु प्रदूषण रोकने के लिए नए वाहनों का उपयोग तथा मासिक मॉनिटरिंग शामिल थी। ग्रामीणों का आरोप है कि ये सभी आश्वासन आज तक धरातल पर पूरे नहीं हुए हैं, जिससे गांव में धूल, प्रदूषण और यातायात संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर संबंधित विभागों द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामवासी खदान से जुड़े वाहनों का गांव में प्रवेश रोक देंगे तथा खदान संचालन पर भी विरोध दर्ज कराएंगे।ज्ञापन सौंपने के दौरान अध्यक्ष बी.एल. मरकाम, उपाध्यक्ष विनोद कॉल, सचिव किशन मरावी, कोषाध्यक्ष दसवीं सलाम, मेर सिंह, अनिल, ईश्वर, शिवचरण, राम भरोसे, हरि कड़िया, बिंदु गोमती बाई, गीता बाई, शिवकली बाई, आशा बाई, रामकली बाई, राम मरकाम, अखिलेश मरकाम, संजू जितेंद्र, वीरेंद्र, समीर, अशोक, हल्केलाल, किरण सिंह, राजेश नामदेव, अमरनाथ यादव, रजनी झरिया, रमेश प्रसाद कोरी, सोहनलाल, रामप्रसाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य भट्ट 'अरुणोदय वरिष्ठ पत्रकारिता सम्मान' से होंगे सम्मानित

31वां अरुणोदय पुरस्कार समारोह कल, पत्रकारिता जगत में उत्साह

हरिभूमि जबलपुर।

शहर के वरिष्ठ और सम्मानित पत्रकार चैतन्य भट्ट को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन, निष्पक्ष और जनपक्षधर योगदान के लिए कल आयोजित होने वाले 31वें 'अरुणोदय वरिष्ठ पत्रकारिता सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान पत्रकारिता के मूल्यों, सामाजिक सरोकारों और निर्भीक लेखन परंपरा को आगे बढ़ाने वाले पत्रकारों को समर्पित है।

चार दशक से अधिक का सक्रिय पत्रकारिता अनुभव-

चैतन्य भट्ट का पत्रकारिता जीवन चार दशक से अधिक समय तक सक्रिय और प्रभावशाली रहा है। उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित समाचार पत्रों एवं पत्र-पत्रिकाओं में संवाददाता, स्तंभकार और संपादक के रूप में कार्य किया। संपादन कार्य के दौरान उन्होंने न केवल खबरों की गुणवत्ता और तथ्यात्मकता पर बल दिया, बल्कि युवा पत्रकारों को मार्गदर्शन भी प्रदान किया।उनकी लेखनी सामाजिक न्याय, प्रशासनिक पारदर्शिता, ग्रामीण समस्याओं, शिक्षा, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों जैसे विषयों पर केंद्रित रही है। अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को उन्होंने अपने विश्लेषण और रिपोर्टिंग के माध्यम से सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाया।

जनसरोकारों की आवाज

चैतन्य भट्ट की पहचान एक निर्भीक और संतुलित पत्रकार के रूप में रही है। उन्होंने सत्ता और व्यवस्था से जुड़े विषयों पर तथ्यात्मक रिपोर्टिंग करते हुए आम नागरिक की आवाज को मंच दिया। कई बार उनकी रिपोर्टों ने प्रशासन को निर्णय लेने और सुधारात्मक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

31वां अरुणोदय पुरस्कार

'अरुणोदय वरिष्ठ पत्रकारिता सम्मान' का यह 31वां संस्करण है। आयोजन समिति के अनुसार, यह सम्मान उन पत्रकारों को दिया जाता है जिन्होंने पत्रकारिता के उच्च आदर्शोंनिष्पक्षता, विश्वसनीयता और सामाजिक प्रतिबद्धताको अपने कार्य में आत्मसात किया है।समारोह में शहर के प्रबुद्धजन, वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियां उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान सम्मान पत्र, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर चैतन्य भट्ट का अभिनंदन किया जाएगा।

पत्रकारिता जगत में हर्ष

चैतन्य भट्ट को यह सम्मान मिलने की घोषणा के बाद पत्रकारिता जगत में हर्ष का वातावरण है। सहकर्मी पत्रकारों और सामाजिक संगठनों ने इसे जनपक्षधर और मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता की सराहना बताया है।यह सम्मान न केवल चैतन्य भट्ट के व्यक्तिगत योगदान की स्वीकृति है, बल्कि नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का माध्यम है।

इनका भी किया जायेगा सम्मान

पत्रकार राजकुमार रैकरवार, आलोक बैनर्जी, लाली कोष्टा, आशीष रैकवार, राजेन्द्र पांडे, शिव चौबे, द्रष्टि जैन और श्रीमति सुशीला शुक्ला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार अभिलाषा मेहरा और दुर्गा चौहार का सम्मान किया जायेगा।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/239
दिनांक:- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमती संगीता जैन पति श्री जितेन्द्र कुमार जैन (2) श्रीमती समीक्षा दिवाकर पति श्री आदित्य दिवाकर (3) श्री जितेन्द्र कुमार जैन पिता श्री कोमल चंद जैन (4) आदित्य दिवाकर पिता जितेन्द्र कुमार जैन ने मकान नं. 816-817 का भाग वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी खुली भूमि 5023 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

अस्पताल से मरीज के लाखों के जेवर चोरी

जबलपुर। गोहलपुर थानान्तर्गत कल एक निजी अस्पताल में अपनी मां का ईलाज कराने आये कटनी के एक युवक ने मरीज के जेवर उतार कर थैले में रख दिए थे। जिसे युवक ने केजुआलटी वार्ड के बाहर वेटिंग हॉल में रखा था इस दौरान युवक अपनी मां का उपचार कराने में व्यस्त हो गया जब वह देर रात थैला लेने वेटिंग हॉल पहुंचा तो वहां से थैला गायब था। किसी ने लाखों के जेवरों से भरा थैला पार कर दिया था। गोहलपुर पुलिस ने घटना के संबंध में बताया कि स्लीमनाबाद कटनी निवासी शिवम अग्रहरि कल अपनी मां के अचानक सीने में दर्द होने पर ईलाज के लिए दमोहनाका स्थित मेट्रो अस्पताल आया था । इस दौरान शिवम ने डाक्टर के कहने पर अपनी मां के जेवर उतारकर एक थैले में रख दिए थे। थैले को उसने वेटिंग हॉल में रख दिया था। इस दौरान शिवम अपनी मां के ईलाज में व्यस्त हो गया रात लगभग साढे बारह बजे उसने लौटकर देखा तो वेटिंग हॉल में जेवरों से भरा थैला गायब था।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/233
दिनांक:- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजेंद्र मिश्रा पिता श्री शिव मूर्ति मिश्रा ने मकान नं. 1172/2सी वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान भूतल 750 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/234
दिनांक:- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रियांशु गुप्ता पिता श्री फूलचंद गुप्ता ने मकान नं. 856/4thA-410 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान चतुर्थ तल 786 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/235
दिनांक:- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री योगेश कुमार साहू पिता स्व. श्री गनेश प्रसाद साहू ने मकान नं. 78 का भाग वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान क्षेत्रफल 3387.5 व.फु., भूतल 1716+517 व.फु., प्रथम तल 1716 व.फु. शपथपत्र/मृत्यु प्रमाणपत्र/लीजडीड के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/236
दिनांक:- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राकेश कुमार साहू पिता स्व. श्री गनेश प्रसाद साहू ने मकान नं. 78 का भाग वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान क्षेत्रफल 2537.5 व.फु., भूतल 994+600 व.फु., प्रथम तल 994 व.फु. शपथपत्र / मृत्यू प्रमाणपत्र / लीजडीड के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/237
दिनांक:- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमती बबीता साहू पति स्व. श्री मुकेश कुमार साहू (2) श्री मयंक साहू पिता स्व. श्री मुकेश कुमार साहू ने मकान नं. 78 का भाग वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान क्षेत्रफल 1975 व.फु., भूतल 994+600 व.फु., प्रथम तल 994 व.फु. शपथपत्र/सहमति पत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/238
दिनांक:- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अनीश जैन पिता स्व. श्री आनंद कुमार जैन ने मकान नं. 525/बी-2 वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी क्षेत्रफल 656 व.फु., भूतल 499 व.फु., प्रथम तल 450 व.फु. शपथपत्र/सहमति पत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर